

धन्य तुम्हारा गुरुदेव

धन्य तुम्हारा गुरुदेव जी मुझपर जो उपकार किया,
मेरी ऊँगली पकड़ कर तूने मुझको भव से पार किया,
धन्य तुम्हारा गुरुदेव

काम क्रोध मद लोभ में फस कर मैंने जीवन नर्क किया,
अपनी शरण में लेकर तुमने मेरा जीवन फ़र्ज किया,
पत्थर था पारस की तरह तुमने मुझको सवार दिया,
धन्य तुम्हारा गुरुदेव

मेरा हर दुःख सुख में बदला केवल आप की रेहमत है,
मेरे इस सारे जीवन में केवल आप का ही हक है,
तुमने मेरे इस जीवन का हर सपना साकार किया,
धन्य तुम्हारा गुरुदेव

धर्म अधर्म की मंथ को समजा सतये असताये को जाना है,
आप की किरपा से इस जग के सार को भी पहचाना है,
आप ने बच्चो के जीवन को जीने का अधार दिया,
धन्य तुम्हारा गुरुदेव

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7619/title/dhyan-tumahara-gurudev-ji-mujhpar->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |